# केरल पाठावली
# हिंदी

## कक्षा VI
Standard - 6

**भाग 2**

# Kerala Reader
# HINDI

**केरल सरकार**
**सार्वजनिक शिक्षा विभाग**
**2025**

**राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्**
**केरल, तिरुवनंतपुरम**

# राष्ट्रगान

जनगण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंगा
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल जलधि तरंगा,
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय-गाथा
जनगण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय, जय हे ।

# प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है । हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं । हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है । इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है । हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे । हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सबके साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे । हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफ़ादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं । उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है ।

Prepared by
**State Council of Educational Research and Training(SCERT)**
Poojappura, Thiruvananthapuram 695012, Kerala
Website : www.scertkerala.gov.in, e-mail : scertkerala@gmail.com
Phone : 0471-2341883, Fax : 0471-2341869
Typeset and design by : SCERT, First Edition : 2025
Printed at : KBPS, Kakkanad, Kochi-30
© Department of General Education, Government of Kerala

प्रिय छात्रो,

हिंदी भाषार्जन का सिलसिला केरल पाठ्यचर्या नवीकरण 2023 के पंखों में विस्तार पा रहा है। यह हिंदी भाषा को एक जीवंत माध्यम के रूप में सीखने का अवसर प्रदान करता है। समाज को जानने-पहचानने तथा उसे वांछित मोड़ देने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखकर छठी कक्षा की यह पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है।

यह पाठ्यपुस्तक गतिविधि-आधारित शिक्षण पर बल देती है। आपको मिल-जुलकर सीखने, विचारों का आदान-प्रदान करने तथा एक दूसरे को समझने का मौका मिलना है, यही हमारी अपेक्षा है। इससे उम्मीद है, आपमें हिंदी भाषा के प्रति रुचि पैदा हो जाए, आपके भाषाई कौशलों का विकास हो, आप संतुलित सफल जीवन जीने लायक बनें। आशा है, यह पाठ्यपुस्तक आपको ज्ञानवर्धक लगे... रुचिकर भी लगे ।।

**डॉ. जयप्रकाश आर के**
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, केरल

# HINDI - CLASS - VI
# TEXTBOOK DEVELOPMENT TEAM

## ADVISOR

**Prof.(Dr.) S. R. JAYASREE** Professor&Head, Department of Hindi, University of Kerala,Trivandrum

## CHAIRPERSON

**Prof.(Dr.) SUMA S** Principal (Rtd),MMS GOVT Arts & Science College Malayinkeezhu,Trivandrum

## EXPERTS

**Prof.(Dr.)MOOSA M** Director, SSUS Regional Campus,Tirur,Malappuram

**Dr. SESHAN K** Associate Professor (Rtd),Govt Arts & Science College, Calicut

## PARTICIPANTS

| | |
|---|---|
| **PRAMOD O** | Block Project Co-ordinator,BRC, Kozhikode |
| **ABHILASH S** | Hindi Teacher,Govt UPS Kuttamala, Kattakada,Trivandrum |
| **VYSAKH K S** | Trainer, BRC, Kilimanoor, Trivandrum |
| **MANJUMOL P** | Hindi Teacher, Govt UPS Venjaramoodu,Trivandrum |
| **Dr.SHIJU S G** | Hindi Teacher,Govt HS Pannippara,Malappuram |
| **Dr.VIDHYA A S** | Hindi Teacher,GHSS Thrikkavu,Ponnani,Malappuram |
| **CHITRA NARAYANAN** | HSST( jr)GHSS Elimullumplackal, Pathanamthitta |
| **CHITHRALEKHA K G** | Hindi Teacher, GHS Kalady,Trivandrum |
| **C.RAJENDRAN** | Drawing Teacher (Rtd), AV Govt HS,Thazhava,Karunagappally, Kollam |
| **BALAKRISHNAN KADIRUR** | Art Teacher (Rtd),GHSS Muppathadam,EKM |

## ACADEMIC CO-ORDINATOR

**DEEPA N KUMAR**

Research Officer,Hindi,SCERT Kerala,Trivandrum

State Council of Educational Research and Training,Kerala
(SCERT)

# अनुक्रमणिका


| शीर्षक | प्रोक्ति | रचनाकार | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|

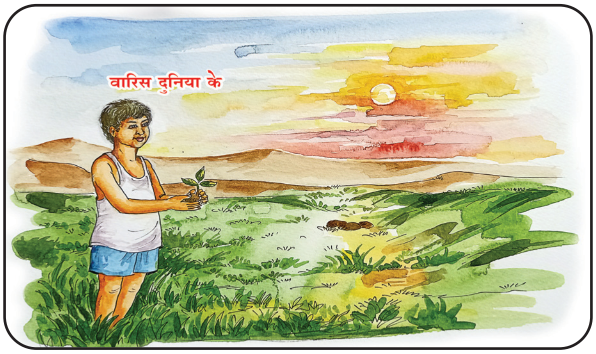


| | | | |
|---|---|---|---|
| **इकाई चार** **वारिस दुनिया के** | | | 112-133 |
| मिले सबको | कविता | आत्मा रंजन | 114-121 |
| इच्छू और बिनिया | कहानी | शशि सबलोक | 122-133 |

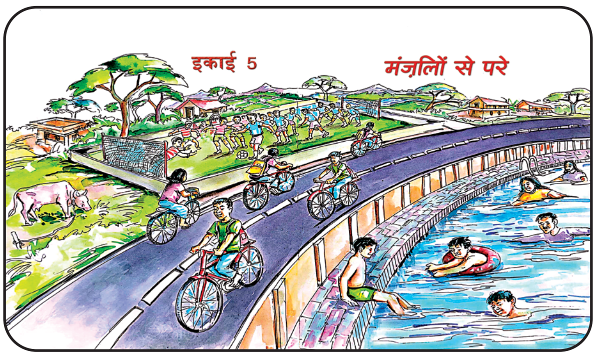


| | | | |
|---|---|---|---|
| **इकाई पाँच** **मंज़िलों से परे** | | | 134-160 |
| मुन्नू की स्वतंत्रता | कहानी | हरिशंकर परसाई | 136-149 |
| उल्टा-पुल्टा | कविता | भगवती प्रसाद द्विवेदी | 150-160 |

# भारत का संविधान

## उद्देशिका

**हम**, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय**,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता**,
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता
और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**
बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई० (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

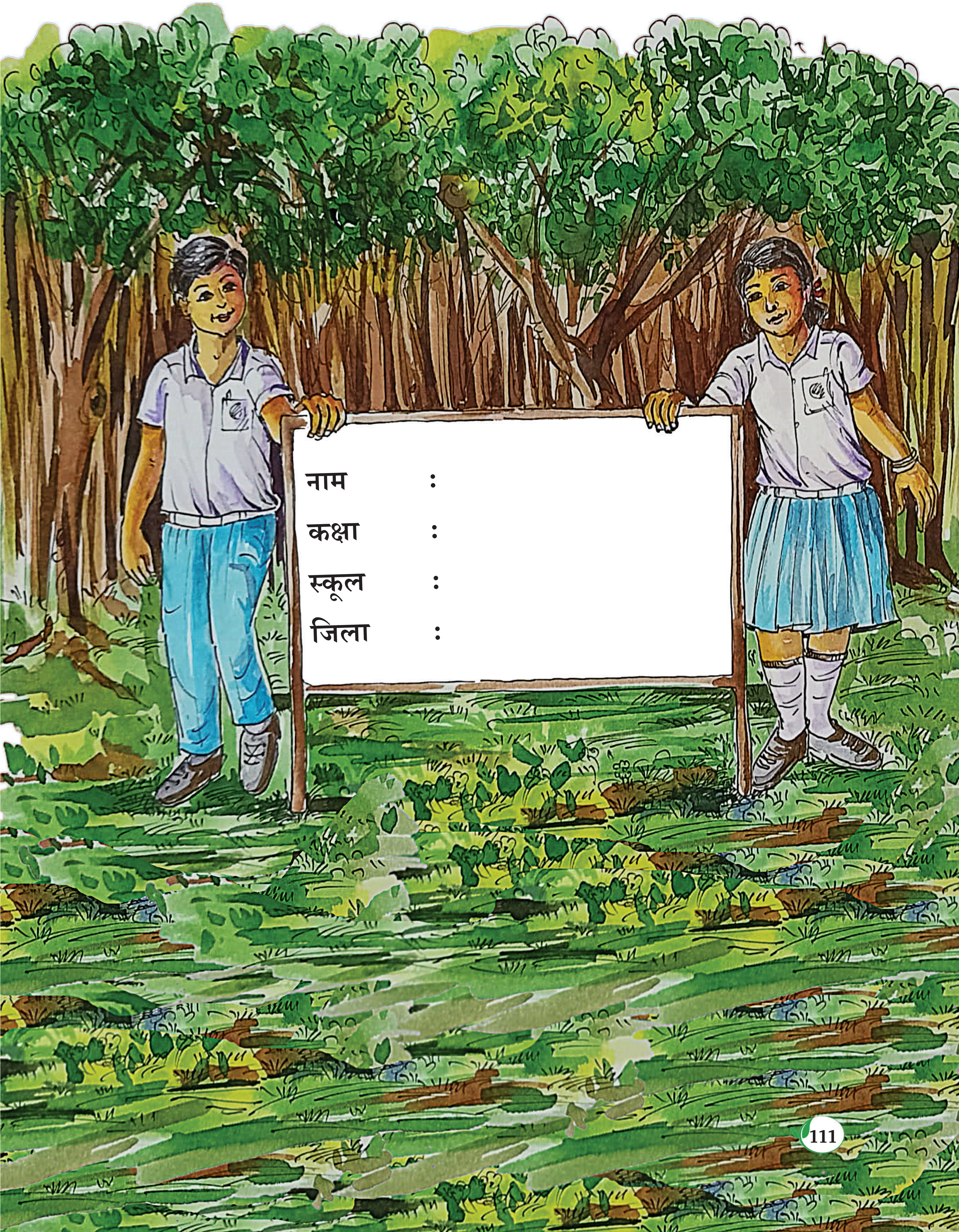
नाम :
कक्षा :
स्कूल :
जिला :

## इकाई 4

# वारिस दुनिया के

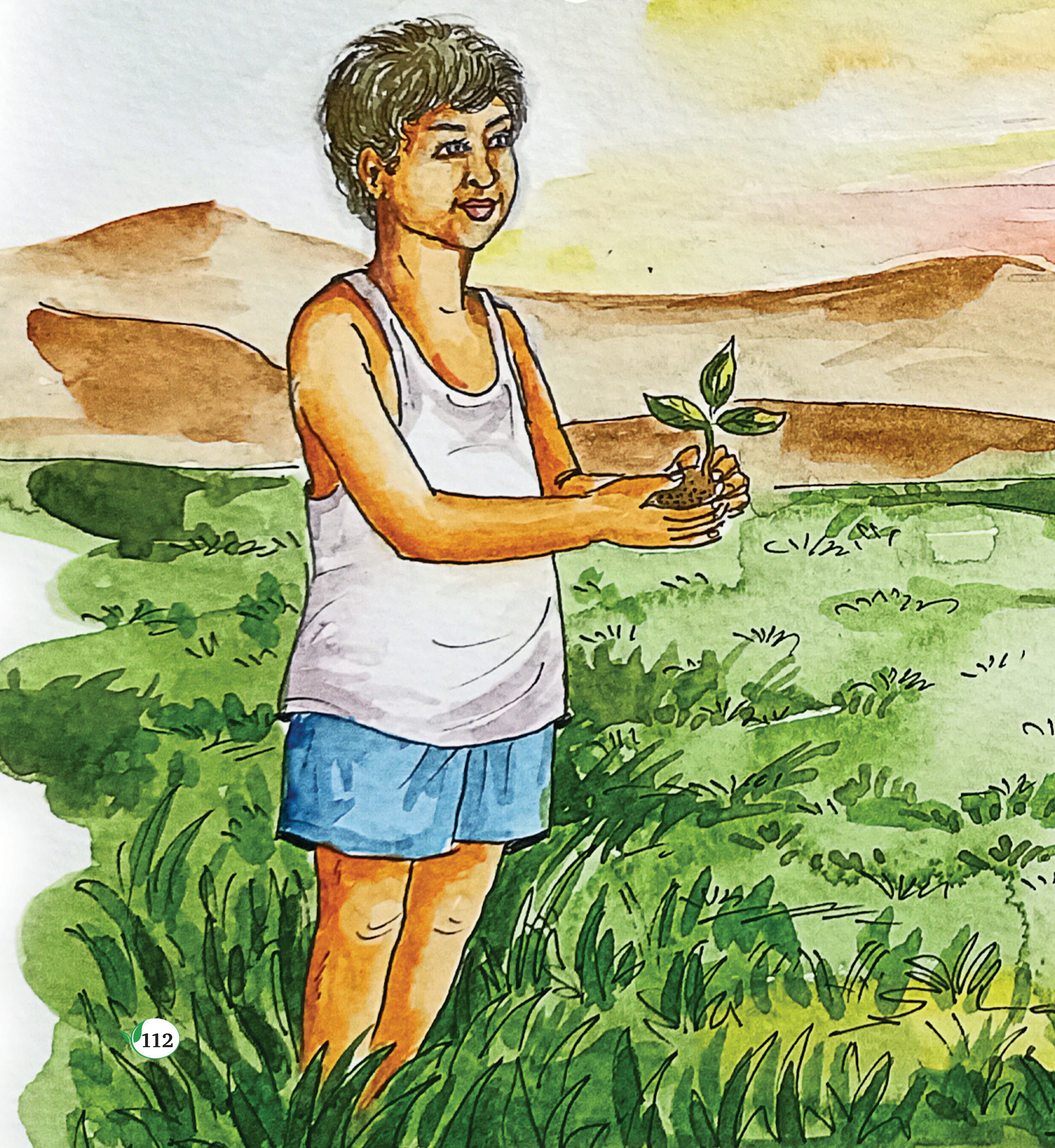

कविता

# मिले सबको

आत्मा रंजन

बहुत ज़रूरी है
कि मिले सबको
उगने के लिए
थोड़ी सी मिट्टी बूँद भर नमी
थोड़ी सी हवा और धूप-
खिलने के लिए
पकने के लिए थोड़ी सी आग

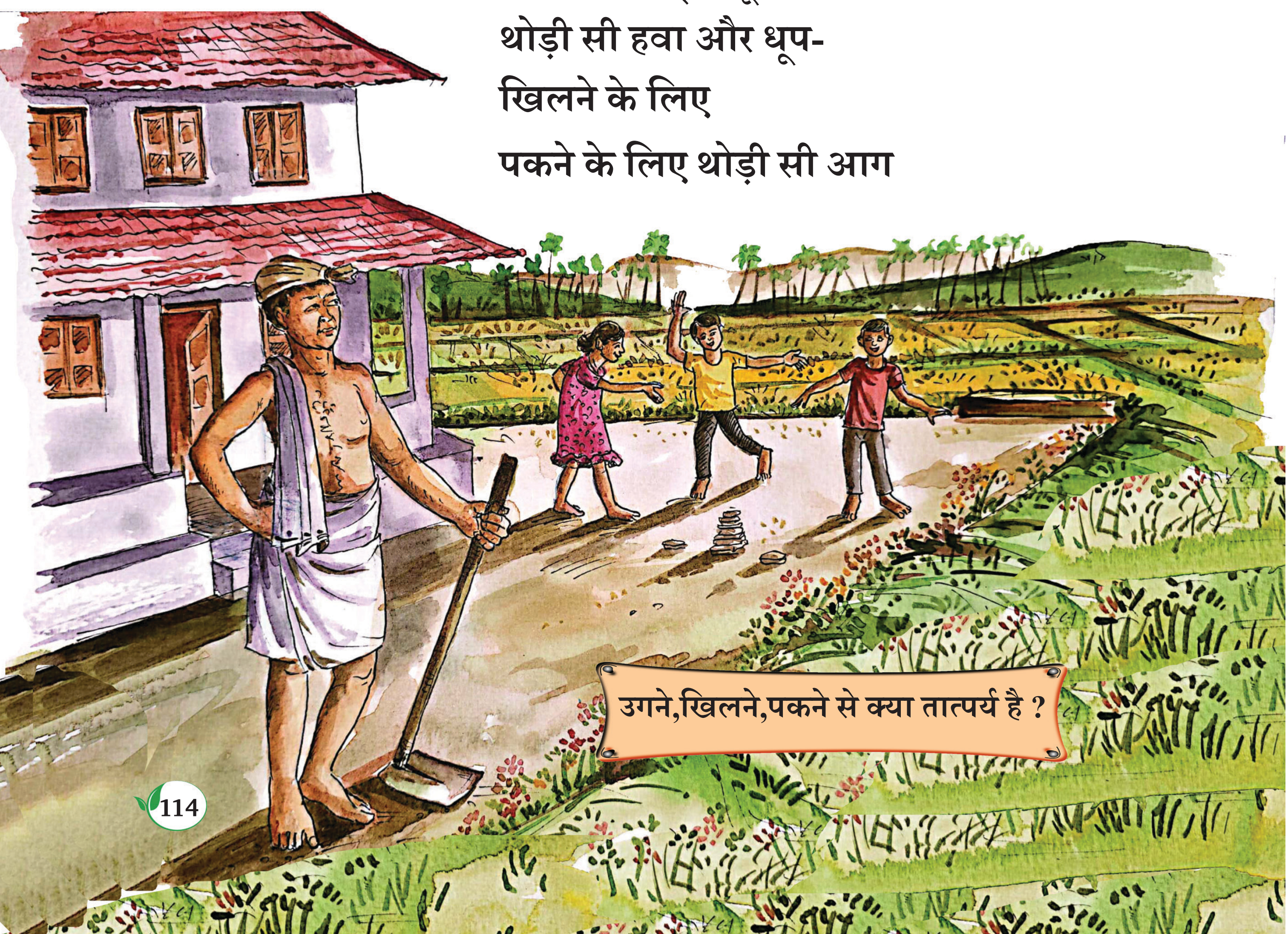

उगने,खिलने,पकने से क्या तात्पर्य है ?

बहुत ज़रूरी है
मिले सबको पंख
और उड़ने के लिए
खुला एक आसमान
उससे भी ज़्यादा ज़रूरी
कि मिले सबको
जीने के लिए ज़मीन !

मिले सबको पंख और उड़ने के लिए
खुला एक आसमान। इसका मतलब क्या है ?

**पढ़ें, लिखें-**

**क्या-क्या चाहिए ?**

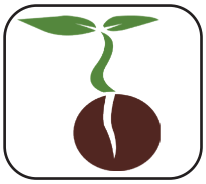

मिट्टी और बूँद

हवा और --------

पंख और --------

**हमें जीने के लिए क्या-क्या चाहिए ?**

**पदसूर्य की पूर्ति करें, टिप्पणी लिखें।**

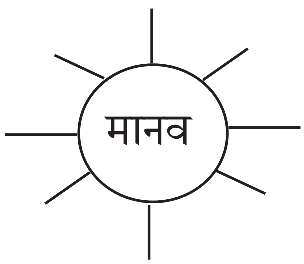


-------------------------------------------------------------------------------

-------------------------------------------------------------------------------

-------------------------------------------------------------------------------

-------------------------------------------------------------------------------

-------------------------------------------------------------------------------

## जोड़ें और वाक्य लिखें-

| | | | |
|---|---|---|---|
| उगने<br>खिलने<br>पकने<br>उड़ने<br>जीने | के लिए | ज़मीन<br>थोड़ी-सी आग<br>पंख और आसमान<br>मिट्टी और बूँद<br>हवा और धूप | चाहिए। |

- उगने के लिए मिट्टी और बूँद चाहिए।
- ------------------------------------------
- ------------------------------------------
- ------------------------------------------
- ------------------------------------------

## कविता से समान आशय वाली  पंक्तियाँ चुनकर लिखें-

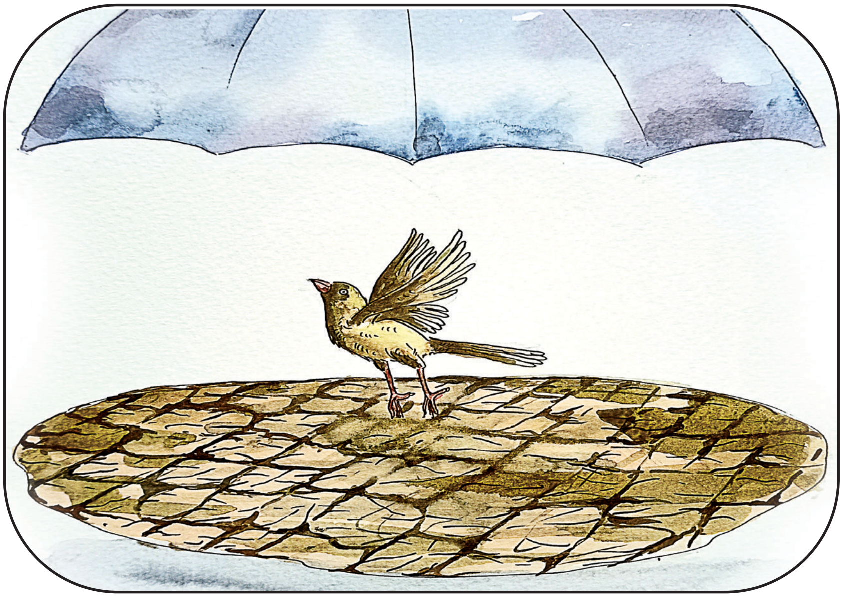

➩ जीवन में आगे बढ़ने के लिए क्षमता और आसमान की तरह खुला अवसर मिलना चाहिए।

------------------------------------------------------------------------

------------------------------------------------------------------------

➩ जीने के लिए सबको ज़मीन मिलना ज़्यादा ज़रूरी है।

------------------------------------------------------------------------

------------------------------------------------------------------------

------------------------------------------------------------------------

**नमूने देखें, ऐसे जोड़े गोले से ढूँढ़कर लिखें-**

थोड़ी मिट्टी
खुला आसमान

- ---------- पेड़
- ---------- गुलाब
- ---------- पानी
- ---------- तोता
- ---------- मकान

लाल
ऊँचा
बड़ा
ठंडा
हरा

**ऊपर लिखे शब्दों के आगे और क्या-क्या विशेषण जोड़ सकते हैं ?**

| | |
|---|---|
| -------------------- | -------------------- |
| -------------------- | -------------------- |
| -------------------- | -------------------- |
| -------------------- | -------------------- |
| -------------------- | -------------------- |

## कविता का आशय लिखें-

| आशय में... | हाँ | नहीं |
|---|---|---|
| शीर्षक है। | | |
| कवि का परिचय है। | | |
| कविता का भाव है। | | |
| अपना विचार है। | | |

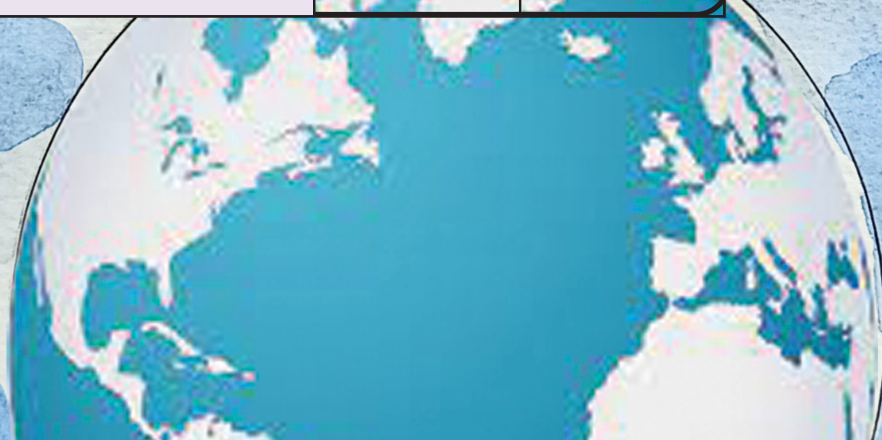

## मदद लें

# मिले सबको

| | | |
|---|---|---|
| बहुत ज़रूरी | അത്യാവശ്യം | essential |
| | அவசியம் | ಅಗತ್ಯವಾದ |
| उगने के लिए | മുളക്കാൻ വേണ്ടി | to sprout |
| | வளர்வதற்கு | ಬೆಳೆಯಲು |
| मिट्टी | മണ്ണ് | soil |
| | மண் | ಮಣ್ಣು |
| बूँद भर नमी | അല്പം നനവ് | a bit of moisture |
| | சிறிது நனைந்து | ಸ್ವಲ್ಪ ಒದ್ದೆಯಾದ |
| पकने के लिए | പാകപ്പെടാൻ വേണ്ടി | for curing (bricks,pots etc) |
| | பதமாவதற்கு | ಹದವಾಗಬೇಕಾಗಿ |
| पंख | ചിറക് | wing |
| | இறக்கை | ರೆಕ್ಕೆ |
| खुला आसमान | വിശാലമായ ആകാശം | wide open sky |
| | பரந்த ஆகாயம் ல் | ವಿಶಾಲವಾದ ಆಕಾಶ |
| जीने के लिए | ജീവിക്കാൻ വേണ്ടി | for living |
| | உயிர் வாழ | ಜೀವಿಸಲು ಬೇಕಾಗಿ |
| ज़मीन | ഭൂമി | earth |
| | பூமி | ಭೂಮಿ |

कहानी

# इच्छू और बिनिया

शशि सबलोक

“इच्छू ये चींटियाँ मिठाई
कैसे ढूँढ़ लेती हैं ?”
“घूमते-घूमते अगर कोई चींटी मिठाई
के पास पहुँच जाए तो सब को बता देती है।
वो अकेले थोड़े ही खा सकती है।
सब मिलकर खाती हैं।
मिलकर घर बनाती हैं।
मिलकर रहती हैं।”
“तब तो मुझको भी चींटी
बननी है!” बिनिया बोली।
“इच्छू तुझको क्या बनना है?”
“मुझको पानी में मज़े से पड़ा रहना
अच्छा लगता है।
मैं तो भैंस बनूँगा।”

मिलकर रहने से क्या लाभ है ?

"तुझको दूध अच्छा लगता है ना बिनिया।
तो तू दूध पीने आना।"
"पर तब तो मैं चींटी होऊँगी!
मैं दूध कैसे पी सकती हूँ?"
बिनिया बोली।
"अच्छा तो भैंस छोड़...
मैं गन्ना बन जाता हूँ।"
इच्छू सोचते हुए बोला।
"तब तू रस पीने आना।"

" भैंस छोड़...
मैं गन्ना बन जाता हूँ।"
यहाँ बिनिया के प्रति इच्छू का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है ?

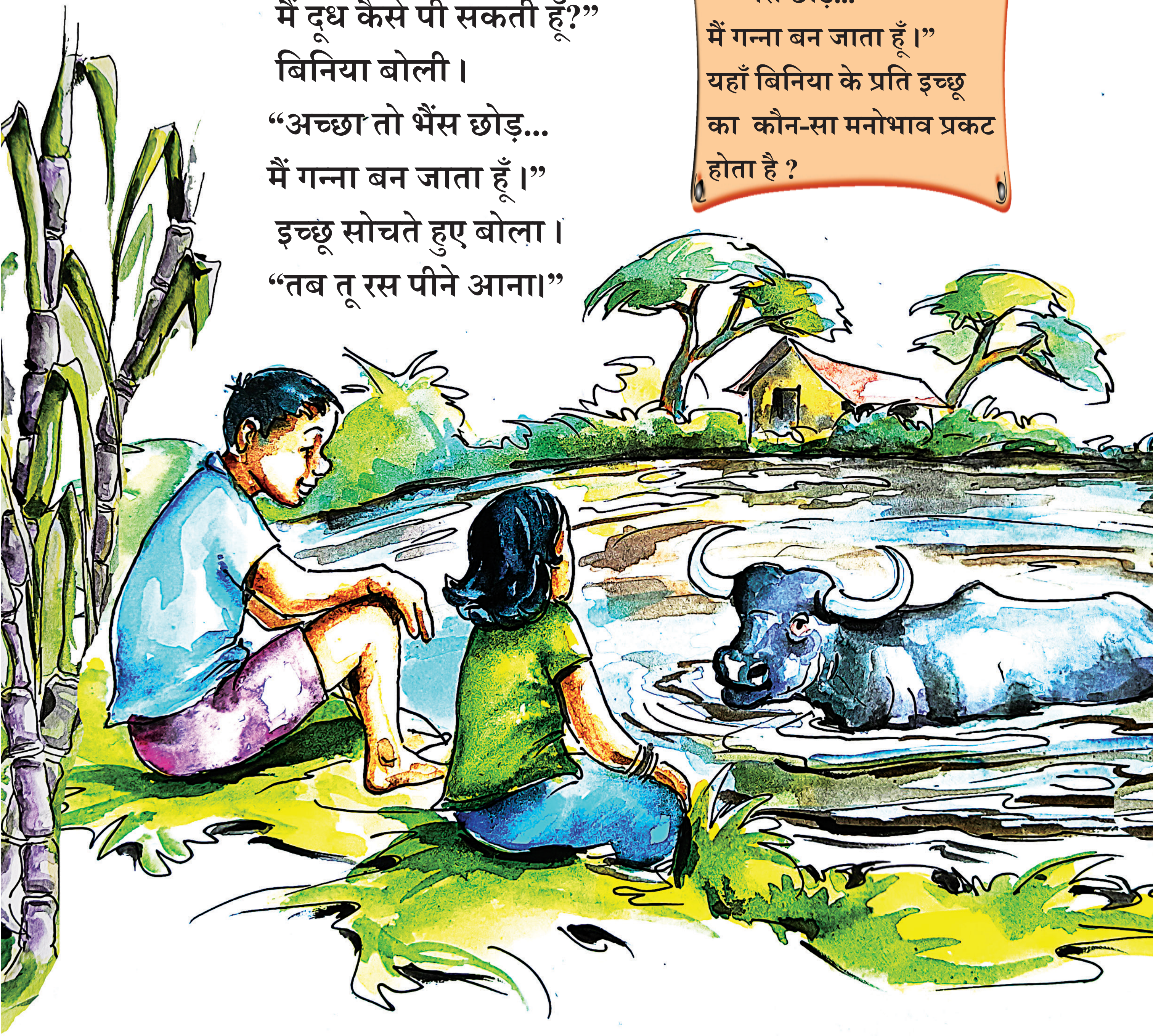

“नहीं, मैं अकेले नहीं,
हम बहुत सारी चींटियाँ आएँगी।”
बिनिया बोली।
“हूँ... अरे नहीं, गुदगुदी होगी।”
“तू तो गन्ना होगा। गुदगुदी नहीं होगी।”
“अरे, गुदगुदी ही नहीं होगी?
ये भी कोई बात हुई?
मुझे नहीं बनना गन्ना-वन्ना।
मैं तो चींटी ही बन जाता हूँ।”

“ मैं अकेले नहीं, हम बहुत सारी चींटियाँ आएँगी।” यहाँ चींटी की क्या विशेषता दिखाई पड़ती है ?

दोनों साथ-साथ रहेंगे।
चीनी-वीनी खाते रहेंगे।
घूमेंगे-फिरेंगे।"
"नहीं नहीं... अपन तो बिनिया-इच्छू ही
बनकर रहेंगे...
कभी-कभी थोड़ी देर को चींटी,
गन्ना, भैंस, सुअर
बन जाया करेंगे..."
"हाँ... चींटी, गन्ना, भैंस,
सुअर, बिनिया-इच्छू सब
बराबर...।"
बिनिया भी ज़ोर से बोली।

"बिनिया-इच्छू सब बराबर...।"
ऐसा कहने का क्या मतलब है ?

पहचानें, अभिनय करें -

मैं अकेले नहीं, हम बहुत सारी चींटियाँ आएँगी।

हूँ... अरे नहीं ,गुदगुदी होगी।

मैं गन्ना बन जाता हूँ।

गुदगुदी नहीं होगी।

दोनों साथ-साथ रहेंगे।

| पात्र | | संवाद |
|---|---|---|
| ________ | : | ........................................ । |
| ________ | : | ........................................ । |
| ________ | : | ........................................ । |
| ________ | : | ........................................ । |
| ________ | : | ........................................ । |

**समझें, लिखें -**

- मैं तो भैंस बनूँगा।
- तब तो मैं चींटी होऊँगी।

ऐसे वाक्य पाठ भाग से ढूँढ़कर लिखें।

- ------------------------------------------------
- ------------------------------------------------
- ------------------------------------------------
- ------------------------------------------------
- ------------------------------------------------
- ------------------------------------------------

**कौन बोला ?**

---------------------------------------- ----------------------------------------

---------------------------------------- ----------------------------------------

- मैं चींटी बनना चाहती हूँ।
- मैं गन्ना बन जाता हूँ।
- मुझको पानी में मज़े से पड़े रहना अच्छा लगता है।
- हम बहुत सारी चींटियाँ आएँगी।

**पढ़ें, लिखें -**

मैं चींटी हूँ।
चींटियाँ मिलकर खाती हैं,
घर बनाती हैं और
मिलकर रहती हैं।

मैं भैंस हूँ।
मुझे पानी में पड़े रहना
अच्छा लगता है।

**किसी एक पर टिप्पणी लिखें -**

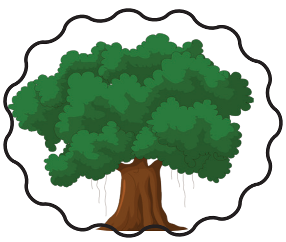

मैं पेड़ हूँ।
मैं आपको ---- ।
---------------।

मैं चिड़िया हूँ।
---------------।
---------------।

मैं नदी हूँ।
---------------।
---------------।

**पढ़ें, समझें -**

चींटियाँ मिलकर खाती हैं।
मिलकर घर बनाती हैं।
मिलकर रहती हैं।

*"एकता में बल है।"*

**विषय पर पोस्टर तैयार करें।**

**पोस्टर में...**

| | हाँ | नहीं |
|---|---|---|
| *शीर्षक है* | | |
| *संदेश वाक्य है* | | |
| *आकर्षकता है* | | |

## मदद लें

# इच्छू और बिनिया

| हिंदी | മലയാളം | English | தமிழ் | ಕನ್ನಡ |
|---|---|---|---|---|
| मिठाई | മധുര പലഹാരം | sweet snack | இனிப்புப் பண்டங்கள் | ಮಿಠಾಯಿ |
| ढूँढ़ लेना | കണ്ടെത്തുക | to find | கண்டுபிடிக்க | ಕಂಡುಹಿಡಿಯು |
| घूमते-घूमते | ചുറ്റി തിരിഞ്ഞ് | roaming around | சுற்றித் திரிந்து | ತಿರುಗಾಡುತ್ತಾ |
| अकेले | ഒറ്റക്ക് | alone | தனியாக | ಒಬ್ಬಂಟಿಗ |
| अकेले थोड़े ही खा सकती है | ഒറ്റക്ക് തിന്നുന്നില്ല | cannot eat alone | உண்ணவில்லை | ತಿನ್ನುದಿಲ್ಲ |
| मिलकर | ഒരുമിച്ച് | together | ஒன்றாக | ಒಟ್ಟಿಗೆ |
| चींटी बनना है | ഉറുമ്പാകണം | to be an ant | எறும்பு ஆக வேண்டும் | ಇರುವೆ ಆಗಬೇಕು |
| मज़े से | സന്തോഷത്തോടെ | happily | மகிழ்ச்சியுடன் | ಸಂತೋಷದಿಂದ |
| अच्छा लगता है | ഇഷ്ടപ്പെടുന്നു | like | விரும்புகிறேன் | ಚೆನ್ನಾಗಿರುತ್ತದೆ |

| | | |
|---|---|---|
| भैंस | എരുമ<br>எருமை | she Buffalo<br>ಎಮ್ಮೆ |
| गन्ना | കരിമ്പ്<br>கரும்பு | Sugarcane<br>ಕಬ್ಬು |
| गुदगुदी | ഇക്കിളി<br>கிச்சுகிச்சு மூட்டுதல் | tickle<br>ಕಚಗುಳಿ ಇಡುವುದು |
| धीरे से | പതുക്കെ<br>மெதுவாக | slowly<br>ಮೆಲ್ಲನೆ |
| साथ-साथ | ഒരുമിച്ച്<br>ஒன்றாக | together<br>ಒಟ್ಟಿಗೆ |
| चीनी-वीनी | പഞ്ചസാര<br>சர்க்கரை | sugar<br>ಸಕ್ಕರೆ |
| अपन | നമ്മൾ<br>நாம் | we/us<br>ನಾವು |
| थोड़ी देर को | അല്പ നേരത്തേയ്ക്ക്<br>சிறிது நேரம் | for a moment<br>ಸ್ವಲ್ಪಸಮಯ |
| सुअर | പന്നി<br>பன்றி | Pig/Swine<br>ಹಂದಿ |
| बराबर | തുല്യം<br>துல்லியமாக | equal<br>ಸಮಾನ |

# इकाई 5

# मंज़िलों से परे

बच्चे क्या कर रहे हैं ?

कहानी

# मुन्नू की स्वतंत्रता

हरिशंकर परसाई

माँ, तुम तो कहती हो कि
हमें स्वतंत्रता मिल गई।
पर मैं जब आज भैया के कोट से
फाउंटेनपेन निकालकर फ़र्श पर लिखने लगा
तब तुम नाराज़ हो गईं और कलम छीन ली।

और, रात को जब मैंने गरम दूध न पिया तब
तुमने डाँटकर कहा, 'पी, नहीं तो एक तमाचा
लगेगा।' और कटोरा मुँह से लगा दिया।

जब मैं सवेरे सड़क पर खेलने चला गया तो तुमने नौकर से पकड़ मंगवाया और कहा, 'सड़क पर गया तो टाँग तोड़ दूँगी।' भला यह भी कोई स्वतंत्रता है?

'सड़क पर खेलना' इससे आप सहमत हैं ? क्यों ?

आज सवेरे जब मैंने पैंट पहनने से इनकार कर दिया और कहा, 'मैं पैंट नहीं पहनूँगा, मैं स्वतंत्र हूँ। मैं नंगे ही खेलूँगा।'
तब तुमने ज़बरदस्ती मुझे पैंट पहना दिया।

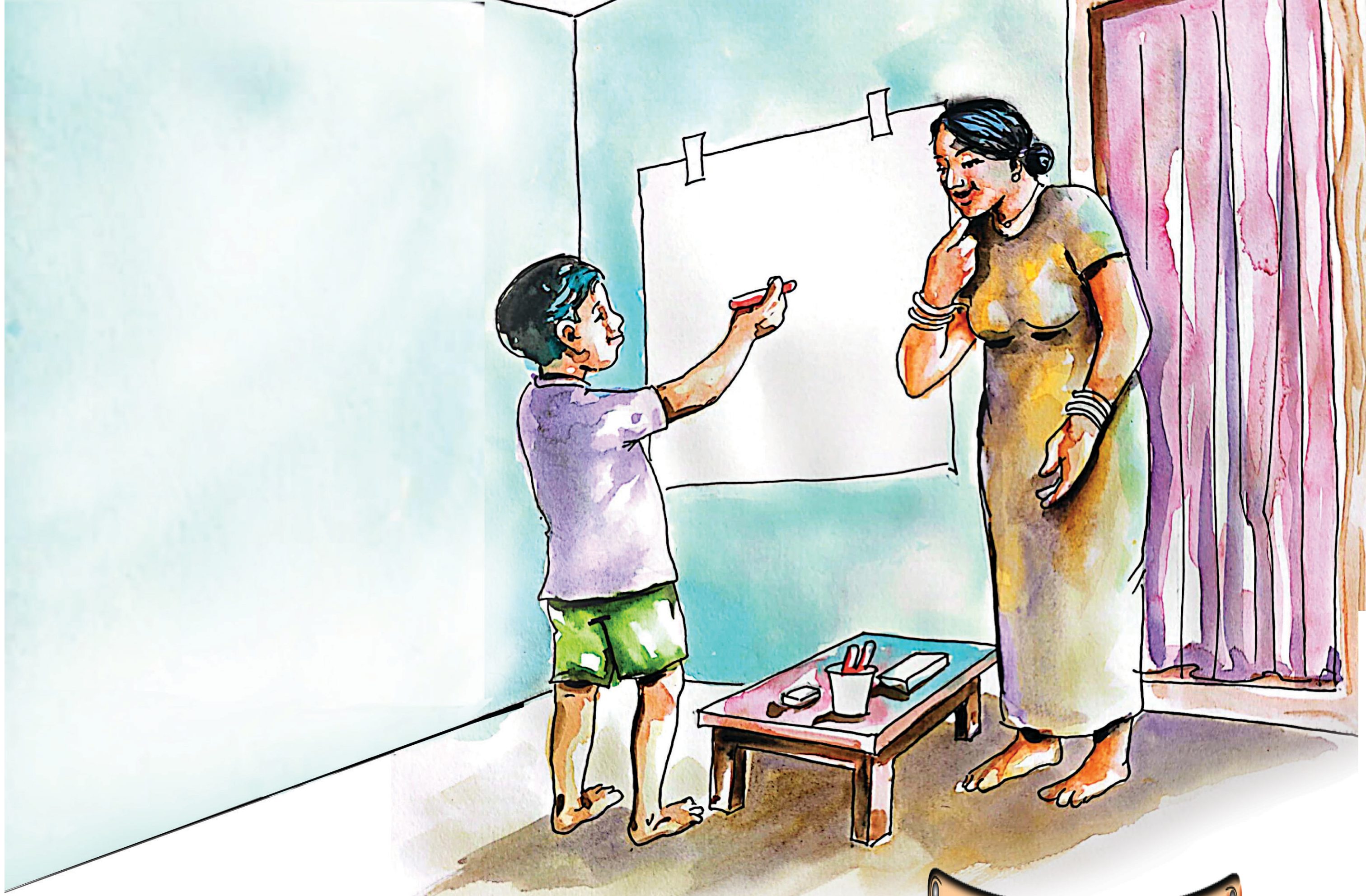

मैं जब भैया की तस्वीरों वाली मोटी पुस्तक को ध्यान से देखने लगा तब तुमने पुस्तक छीन ली और मुझे डाँटा। मैंने उसमें से एक ही तस्वीर तो अपने लिए फाड़ी थी।

"मैंने उसमें से एक ही तस्वीर तो अपने लिए फाड़ी थी।" इससे बच्चे की कौन सी विशेषता समझ सकते हैं ?

मैं जब बाबूजी की दवात की स्याही से अपनी कमीज़ को रंगकर झंडा बनाने लगा तब तुमने दो तमाचे जड़ दिए। क्या तुमने मेरे झंडे का अपमान नहीं किया?

जब मैं रोने लगा तब तुमने चिल्लाकर कहा, 'रोएगा तो एक तमाचा और लगाऊँगी।' क्या मुझे रोने की भी स्वतंत्रता नहीं है?

**ठहरो, मैं अभी जवाहर लाल जी को चिट्ठी लिखता हूँ कि आप कहते हैं कि स्वतंत्रता मिल गई, किंतु मुझे तो रत्ती भर भी स्वतंत्रता नहीं मिली। आप तुरंत अम्मा को लिख दीजिए जिससे वह मुझे स्वतंत्रता दे दें।**

"मैं अभी जवाहर लाल जी को चिट्ठी लिखता हूँ।"
लड़के ने क्यों जवाहर लाल जी को चिट्ठी लिखी होगी ?

***(परसाई जी ने यह कहानी 1949 में लिखी थी जब जवाहर लाल नेहरू देश के प्रधानमंत्री थे।)***

## कहानी के आधार पर क्रमबद्ध करें -

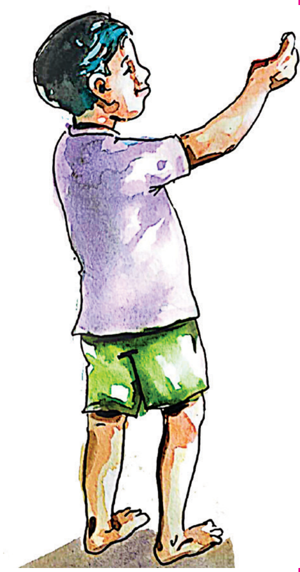

- ➪ जवाहरलाल जी को चिट्ठी लिखना
- ➪ रात को गरम दूध पीना
- ➪ सड़क पर खेलना
- ➪ भैया के कोट से फाऊंटेन पेन निकालना
- ➪ कमीज़ को रंगकर झंडा बनाना
- ➪ पैंट पहनना
- ➪ पुस्तक से तस्वीर फाड़ना

- ➪ भैया के कोट से फाऊंटेन पेन निकालना
- ➪ ------------------------------------
- ➪ ------------------------------------
- ➪ ------------------------------------
- ➪ ------------------------------------
- ➪ ------------------------------------
- ➪ ------------------------------------

## मुन्नू के कथन/ सवाल पढ़ें -

- फाऊंटेन पेन से फर्श पर लिखते समय तुमने क्यों कलम छीन ली ?
- गरम दूध न पिया तो तुमने क्यों डाँटा ?
- सड़क पर खेलने गया तो तुमने मुझे क्यों वापस बुलाया ?
- तुमने मुझे ज़बरदस्ती पैंट क्यों पहना दिया ?
- पुस्तक से तस्वीर फाड़ने पर मुझे क्यों डाँटा ?
- कमीज़ को झंडा बनाने पर तुमने मुझे तमाचा क्यों जड़ दिया ?

## मुन्नू के प्रश्नों का माँ ने क्या जवाब दिया होगा ?

## मुन्नू और माँ के बीच का वार्तालाप तैयार करें -

मुन्नू :-----------------------------------------------------

अम्मा :-----------------------------------------------------

मुन्नू :-----------------------------------------------------

अम्मा :-----------------------------------------------------

मुन्नू :-----------------------------------------------------

अम्मा :-----------------------------------------------------

मुन्नू :-----------------------------------------------------

अम्मा :-----------------------------------------------------

मुन्नू :-----------------------------------------------------

अम्मा :-----------------------------------------------------

मुन्नू :-----------------------------------------------------

अम्मा :-----------------------------------------------------

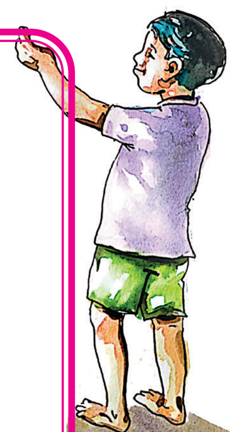

पढ़ें, समझें, वाक्यों को उचित खंभे में लिखें -

लड़का व्हील चेयर पर बैठी लड़की को सहायता देता है।

तोता पिंजड़े में बंद है।

बच्चे सड़क पर क्रिकेट खेलते हैं।

लड़का कूड़ा-कचड़ा कूड़ेदान में डालता है।

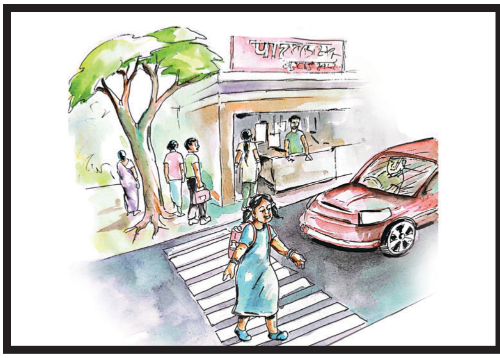

लड़की सीब्रा लाइन से सड़क पार करती है।

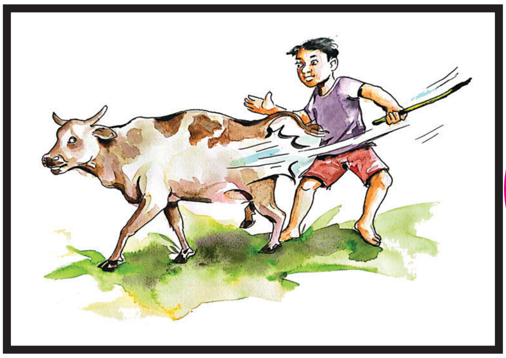

लड़का बैल को मारता है।

| करें | न करें |
| --- | --- |
| | |

## महीनों के नाम से परिचय पाएँ -

| | | | |
|---|---|---|---|
| जनवरी | फ़रवरी | मार्च | अप्रैल |
| मई | जून | जुलाई | अगस्त |
| सितंबर | अक्तूबर | नवंबर | दिसंबर |

1 एक

**गिनती चुनें और कैलेंडर तैयार करें**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 25 पच्चीस | 30 तीस | 14 चौदह | 5 पाँच | 28 अठाईस | 7 सात |
| 19 उन्नीस | 31 इकतीस | 10 दस | 15 पंद्रह | 21 इक्कीस | 13 तेरह |
| 4 चार | 22 बाईस | 26 छब्बीस | 11 ग्यारह | 18 अठारह | 8 आठ |
| 20 बीस | 12 बारह | 17 सत्रह | 23 तेईस | 29 उनतीस | 2 दो |
| 16 सोलह | 27 सत्ताईस | 6 छह | 24 चौदह | 3 तीन | 9 नौ |

# 20--

महीना
------------------

| रविवार | सोमवार | मंगलवार | बुधवार | गुरुवार | शुक्रवार | शनिवार |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |

मुन्नू ने जवाहरलाल नेहरू जी को क्या लिखा होगा ?

नई दिल्ली

9.01.1949

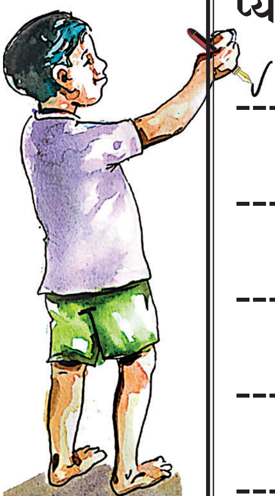

प्यारे चाचा नेहरू जी,

-----------------------------------------------------------

-----------------------------------------------------------

-----------------------------------------------------------

-----------------------------------------------------------

-----------------------------------------------------------

-----------------------------------------------------------

-----------------------------------------------------------

-----------------------------------------------------------

प्यार से

आपका मुन्नू

## अनुबद्ध कार्य -

बच्चो,
आपके हक और दायित्व क्या-क्या हैं ?
सूचीबद्ध करें, भित्ति पत्रिका तैयार करें।

| बच्चों के हक | बच्चों के दायित्व |
|---|---|
| | |

# मुन्नू की स्वतंत्रता

## मदद लें

| | | |
|---|---|---|
| फ़र्श | തറ /നിലം<br>தரை | Floor<br>ನೆಲ |
| छीन ली | തട്ടിപ്പറിച്ചു<br>பறித்தெடுத்தல் | snatched away<br>ಎಳೆದುಕೊಂಡು |
| तमाचा | തല്ല്<br>அறைதல் | slap<br>ಪೆಟ್ಟು |
| कटोरा | കിണ്ണം<br>கிண்ணம் | bowl<br>ಗಿಣ್ಣಾಲು |
| मुँह से लगा दिया | വായിലേക്ക് അടുപ്പിച്ചു<br>வாயின் அருகே கொண்டு சென்று<br>ಬಾಯಿಗೆ ಹತ್ತಿರವಾಗಿ | put to the mouth |
| ज़बरदस्ती | ബലപൂർവ്വം<br>வலுக்கட்டாயமாக<br>ಬಲವಂತವಾಗಿ | forcefully |
| डाँटा | വഴക്കുപറഞ്ഞു<br>திட்டுதல் | scolded<br>ಗದರಿಸು |

| | | |
|---|---|---|
| फाड़ी थी | കീറി<br>கிழித்தல் | tore<br>ಹರಿದಿತ್ತು |
| दवात | മഷിക്കുപ്പി<br>மை வைக்கும் குப்பி | Ink pot<br>ಶಾಯಿ ಕುಪ್ಪಿ |
| स्याही | മഷി<br>மை | Ink<br>ಶಾಯಿ |
| कमीज़ | ഷർട്ട്<br>சட்டை | shirt<br>ಅಂಗಿ |
| रंगकर | നിറം പിടിപ്പിച്ചിട്ട്<br>நிறம் கொடுத்தல் | after colouring<br>ಬಣ್ಣ ಕೊಡು |
| झंडा | കൊടി<br>கொடி | Flag<br>ಧ್ವಜ |
| ठहरो | കാത്തിരിക്കൂ<br>காத்திருக்கவும் | wait<br>ಕಾದುನಿಲ್ಲು |
| रत्ती भर भी | അല്പം പോലും<br>சிறிதளவும் | even a tiny bit<br>ಸ್ವಲ್ಪವೂ ಕೂಡ |

कविता

# उल्टा-पुल्टा

**भगवती प्रसाद द्विवेदी**

चलते-चलते निचली छत से
गिरती जब छिपकली छपाक,
तुरंत संभल जाती उस क्षण ही
उठ चल देती अपने आप ।

'तुरंत संभल जाती उस क्षण ही ।'
आपको ऐसा कोई अनुभव है ?

ऊपर की डाली से बंदर
जब आ गिरता है नीचे,
झटपट पकड़ दूसरी डाली
हँसता है आँखें मींचे ।

'हँसता है आँखें मींचे ।'
इसका मतलब क्या है ?

तिलचट्टे, चींटे जब चलते
एकाएक पलट जाते हैं,
झटक हाथ-पैरों को अपने
फिर सीधे हो चल पाते हैं।

चींटी गिरती, मकड़े गिरते
गिरगिट गिरते और संभलते,
गिरने पर वे साहस खोकर
कभी न अपनी आँखें मलते।

'गिरने पर वे साहस खोकर
कभी न अपनी आँखें मलते।'
इन पंक्तियों का संदेश क्या है?

गिरने और पिछड़ने पर
जो हिम्मत खोते, पछताते हैं।
धूल झाड़ जो तुरंत संभलते
वे जीवन में सुख पाते हैं।

'जो हिम्मत खोते, पछताते हैं।'
इससे आप सहमत हैं? क्यों?

## अक्षर चुनें, नाम लिखें -

1. 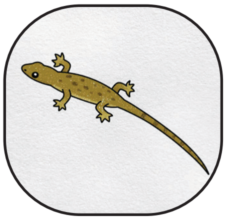

2. 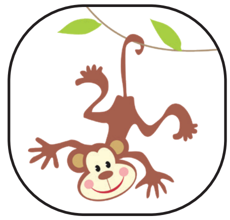

3. 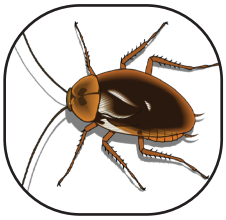

4. 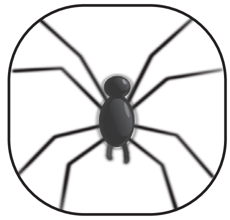

5. 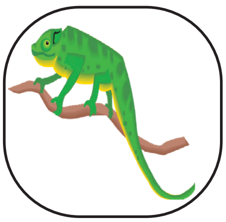

6. 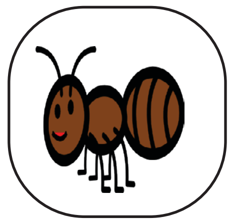

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| छि | 1 | बं | 2 | डा | 4 | प | 1 | र | 2 |
| ल | 3 | ली | 1 | द | 2 | क | 1 | ति | 3 |
| क | 4 | चीं | 6 | च | 3 | म | 4 | र | 5 |
| गि | 5 | गि | 5 | ट्टा | 3 | टा | 6 | ट | 5 |

कविता पढ़ें, सही मिलान करके लिखें -

| | |
|---|---|
| छिपकली छत से गिरती है | हाथ-पैरों को सीधा कर चलते हैं। |
| बंदर डाली से गिरता है | वे पछताते हैं। |
| चींटे और तिलचट्टे पलटते हैं | अपने आप उठ चल देती है। |
| मकड़े और गिरगिट गिरते हैं | वे जीवन में सुख पाते हैं। |
| जो हिम्मत खोते हैं | दूसरी डाली पकड़कर हँसता है। |
| जो तुरंत संभलते हैं | अपने आप संभलते हैं। |

| | |
|---|---|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

# चित्र के नीचे कविता से उचित पंक्तियाँ चुनकर लिखें -

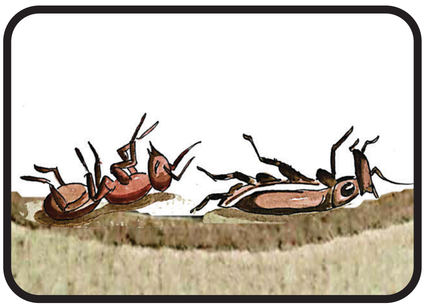

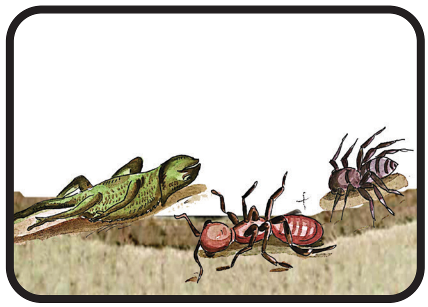

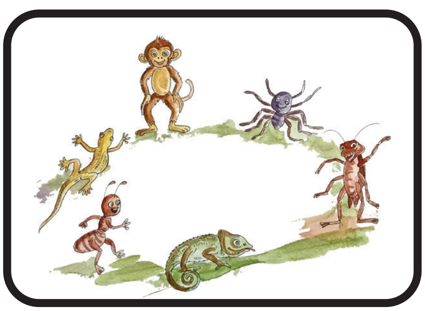

## नाम लिखें , उचित विवरण चुनकर लिखें -

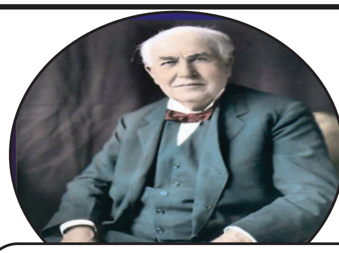

प्रकाश का जनक
विद्युत बल्ब का आविष्कारक
स्कूली शिक्षा का अभाव

अमेरिकी लेखिका,
सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षक।
एक बीमारी से अंधी और बहरी हो गई।
आत्मकथा - 'द स्टोरी ऑफ़ मइ लाइफ'

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपिता
रंग भेद के विरुद्ध संघर्ष में भागीदार
नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित

मलयालम फिल्मी अभिनेता
और राजनीतिज्ञ। कैंसर से पीड़ित
होने पर भी सक्रिय रहा।
प्रसिद्ध रचना - 'कैंसर वार्डिले चिरी'

**पंक्तियों पर ध्यान दें..!**

"गिरने और पिछड़ने पर
जो हिम्मत खोते, पछताते हैं।
धूल झाड़ जो तुरंत संभलते
वे जीवन में सुख पाते हैं।"

- आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।

**सूचनाएँ :**

- कवि और कविता का परिचय
- कविता का आशय विस्तार
- अपना मत
- शीर्षक

***अनुबद्ध कार्य :***

*अपने आसपास के परिचित उत्तरजीवित व्यक्तियों के नाम सूचीबद्ध करें। कक्षा में परिचय दें।*

**उचित गिनती चुनें, लिखें -**

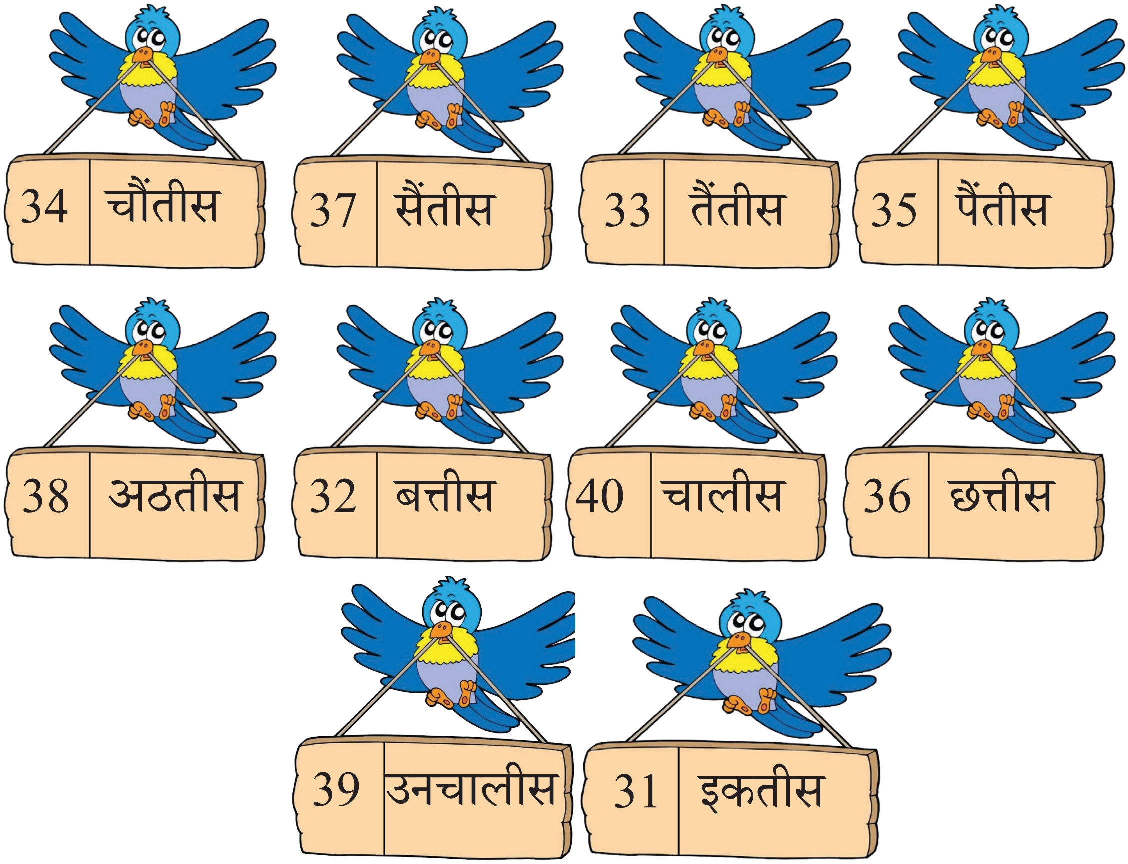


इकतीस

चालीस

## उचित गिनती चुनें, लिखें -

इकतालीस

पचास

## मदद लें

# उल्टा-पुल्टा

| | | |
|---|---|---|
| उल्टा-पुल्टा | തിരിഞ്ഞും മറിഞ്ഞും<br>உருட்டும் புரண்டும் | tossing and turning<br>ತಲೆಕೆಳಗಾಗಿ |
| निचली छत | താഴ്ന്ന മേൽത്തട്ട്<br>அறையின் தாழ்ந்த உட்கூரை<br>ಕೆಳಗಿನ ಸೀಲಿಂಗ್ | lower ceiling |
| छिपकली | പല്ലി<br>பல்லி | lizard<br>ಹಲ್ಲಿ |
| छपाक गिरना | 'ഠപ്പ് ' എന്ന ശബ്ദത്തോടെ വീഴുക<br>டப் என்ற சத்தம் | fall with a splash sound<br>'ಟಪ್ ' ಎಂಬ ಶಬ್ದ |
| तुरंत | പെട്ടെന്ന്<br>திடீரென | At once<br>ಬೇಗನೆ |
| संभल जाती है | പൂർവ്വസ്ഥിതിയിലേക്കെത്തുക<br>மீண்டு எழுதல் | regain balance<br>ನಿಭಾಯಿಸಬಹುದಿತ್ತು |
| अपने आप | സ്വയം<br>சுயமாக | oneself<br>ಸ್ವಯಂ |
| डाली | വൃക്ഷശാഖ<br>மரக்கிளை | branch of a tree<br>ಮರದ ಶಾಖೆ |
| झटपट | പെട്ടെന്ന്<br>திடீரென | At once<br>ಫಕ್ಕನೆ |
| आँखें मींचे | കണ്ണുകൾ അടച്ച്<br>கண்களை மூடுதல் | close the eyes<br>ಕಣ್ಣುಗಳು ಮುಚ್ಚಿ |
| तिलचट्टे | പാറ്റകൾ<br>கரப்பான் பூச்சி | cockroaches<br>ಜಿರಳೆ |

| | | |
|---|---|---|
| चींटे | വലിയ ഉറുമ്പുകൾ<br>எறும்புகள் | Big Ants<br>ಇರುವೆಗಳು |
| चींटी | ചെറിയ ഉറുമ്പ്<br>எறும்பு | Ant<br>ಇರುವೆ |
| एकाएक | പെട്ടെന്ന്<br>திடீரென | suddenly<br>ಥಕ್ಕನೆ |
| पलट जाते हैं | മറിയുക<br>திருப்பம் | Turn over<br>ತಿರುಗುತದ್ದೆ |
| झटक हाथ-पैरों को | കൈകാലുകൾ കുടഞ്ഞിട്ട്<br>கைகால்களைக் குலுக்குதல்<br>ಕೈಕಾಲುಗಳು ಕೊಡವಿ | shaking hands and feet |
| मकड़े | വലിയ ചിലന്തികൾ<br>சிலந்தி | **giant** spiders<br>ಜೇಡ |
| गिरगिट | ഓന്ത്<br>ஓணான் | chamaeleon<br>ಓತಿ |
| आँखें मलते | കണ്ണുകൾ തിരുമ്മുക<br>கண்களைத் தேய்த்தல் | rubbing the eyes<br>ಕಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಉಜ್ಜಿ |
| पिछड़ना | പിന്നിലാകുക<br>தாமதித்தல் | to lag<br>ಹಿಂದುಳಿದಿದೆ |
| हिम्मत | ധൈര്യം<br>தைரியம் | courage<br>ದೈರ್ಯ |
| पछताते | പശ്ചാത്തപിക്കുന്നു<br>இரங்கல் | regret<br>ವಿಷಾದಿಸುತ್ತೇವೆ |
| धूल | പൊടി<br>தூசு | dust<br>ದೂಳು |
| झाड़ | തട്ടിക്കളഞ്ഞിട്ട്<br>துடைத்தல் | dusting<br>ಒರಸಿಕೊಂಡು |

# इकाई 4

**पाठ भाग से शब्द चुनें और खंभे में लिखें।**

**शब्द का पहला अक्षर छोटे खंभे में लिखें।**

# इकाई 5

**पाठ भाग से शब्द चुनें और खंभे में लिखें।**

**शब्द का पहला अक्षर छोटे खंभे में लिखें।**

## भाग 1 की पढ़ाई की पूर्ति करने पर

| मैं सक्षम हूँ। | खुद | दल में | मदद से |
|---|---|---|---|
| • भाषा सुनकर समझने और प्रतिक्रिया करने में - | | | |
| • अर्थ समझकर पढ़ने में - | | | |
| • आशय समझकर पढ़ने में- | | | |
| • आशयानुकूल लिखने में- | | | |
| • कविता ताल-लय के साथ आलाप करने में- | | | |
| • कविता का आशय समझने और लिखने में - | | | |
| • कविता के साथ पंक्तियाँ जोड़ने में- | | | |
| • कहानी सुनकर समझने में - | | | |
| • कहानी पढ़कर आशय ग्रहण करने में - | | | |
| • वार्तालाप लिखने में - | | | |
| • विवरण तैयार करने में - | | | |
| • पोस्टर तैयार करने में - | | | |
| • कहानी लिखने में- | | | |
| • टिप्पणी लिखने में - | | | |
| • डायरी लिखने में- | | | |

## भाग 2 की पढ़ाई की पूर्ति करने पर

| मैं सक्षम हूँ। | खुद | दल में | मदद से |
|---|---|---|---|
| • कविता का आशय लिखने में - | | | |
| • संदेश वाक्य जोड़कर पोस्टर तैयार करने में - | | | |
| • वार्तालाप लिखने में - | | | |
| • गिनती से परिचय पाने में / सीखने में - | | | |
| • खत लिखने में- | | | |
| • आस्वादन टिप्पणी तैयार करने में- | | | |

**आत्मा रंजन**

जन्म : 1971 को शिमला में

कार्य क्षेत्र : अध्यापन, कविता लेखन, अनुवाद

प्रमुख रचनाएँ : पगडंडियाँ गवाह हैं, जीने के लिए ज़मीन

पुरस्कार : युवा शिखर साहित्य सम्मान,
सृजनलोक कविता सम्मान,
नवल प्रयास साहित्य सम्मान आदि

संप्रति : हिमाचल प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग में प्रधानाचार्य।

**शशि सबलोक**

कार्य क्षेत्र : बाल साहित्य, कहानी

रचनाएँ : आँख खुली और सपना गिर गया,
तारिक का सूरज, मृगांक की जुबानी

उल्लेखनीय कार्य : साइकिल और प्लूटो का सहसंपादक।
इकतारा प्रकाशन की समन्वयक।

**हरिशंकर परसाई**

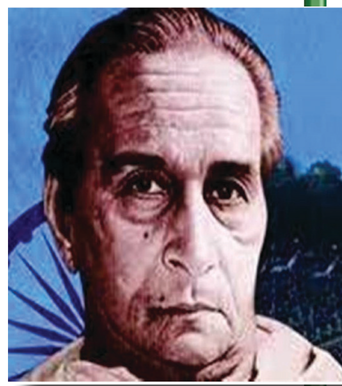

| | |
|---|---|
| जन्म | :1924 होशंगाबाद |
| कार्य क्षेत्र | : व्यंग्य , कहानी , उपन्यास |
| रचनाएँ | : सदाचार का तावीज, भेड़ें और भेड़िए, रानी नागफनी की कहानी, भगत की गत आदि |
| पुरस्कार | : साहित्य अकादमी पुरस्कार , शरद जोशी पुरस्कार |
| मृत्यु | : 1995 जबलपुर |

**भगवती प्रसाद द्विवेदी**

| | |
|---|---|
| जन्म | : 1955 बलिया उत्तरप्रदेश |
| कार्य क्षेत्र | : कविता, कहानी |
| रचनाएँ | : नई कोंपलों की खातिर, चीरहरण, अस्तित्व बोध |
| पुरस्कार | : निराला पुरस्कार, सूर पुरस्कार, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद साहित्य सम्मान। |

# भारत का संविधान

## भाग 4 क

### अनुच्छेद 51 क

### मूल कर्तव्य-

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और अक्षुण्ण बनाए रखे,

घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेद-भावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उनका परिरक्षण करे,

छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्यजीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके, और

ट) छह और चौदह साल के बीच के अपने बच्चे/बच्ची को या अपने संरक्षण में रहनेवाले बच्चे / बच्ची को उसके माता-पिता या अभिभावक तदनुकूल शिक्षा प्रदान करने का अवसर दें।

# बच्चों के हक

प्यारे बच्चो,

क्या आप जानना चाहेंगे कि आपके क्या-क्या हक हैं? अधिकारों का ज्ञान आपको सहभागिता, संरक्षण, सामाजिक नीति आदि सुनिश्चित करने की प्रेरणा तथा प्रोत्साहन देगा। आपके अधिकारों के संरक्षण के लिए अब एक आयोग है- केरल राज्य बालाधिकार संरक्षण आयोग।देखें, आपके क्या-क्या हक हैं-

- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हक
- व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ जीने का हक
- उत्तरजीविता का एवं सर्वांगीण विकास का हक
- धर्म, जाति, वर्ग एवं वर्ण की संकीर्णता से बढ़कर आदर पाने एवं मान्यता प्राप्त करने का हक
- मानसिक, शारीरिक एवं लिंगपरक अतिक्रमण से परिरक्षण पाने का हक
- भागीदारी का हक
- बालश्रम से एवं खतरनाक पेशों से मुक्ति का हक
- बाल विवाह से परिरक्षण पाने का हक
- अपनी संस्कृति जानने एवं तदनुरूप जीने का हक
- उपेक्षाओं से परिरक्षण पाने का हक
- मुफ़्त तथा ज़बरदस्त शिक्षा पाने का हक
- खेलने तथा पढ़ने का हक
- सुरक्षित एवं प्रेमयुक्त परिवार तथा समाज में जीने का हक

### कुछ दायित्व

- स्कूल एवं सार्वजनिक संस्थाओं का परिरक्षण करना।
- स्कूल एवं शैक्षिक प्रक्रियाओं में समय की पाबंदी रखना।
- अपने माता-पिता, अध्यापक, स्कूल के अधिकारी तथा मित्रों का आदर करना और उन्हें मानना।
- जाति-धर्म-वर्ग-वर्ण की संकीर्णताओं से बढ़कर दूसरों का आदर एवं सम्मान करना।


**Contact Address:**

**Kerala State Commission for Protection of Child Rights**
**'Sree Ganesh', T. C. 14/2036, Vanross Junction**
**Kerala University P. O., Thiruvananthapuram- 34, Phone: 0471-2326603**
**Email: childrights.cpcr@kerala.gov.in, rte.cpcr@kerala.gov.in**
**Website: www.kescpcr.kerala.gov.in**


**Child Helpline 1098, Crime Stopper 1090, Nirbhaya - 1800 425 1400**
**Kerala Police Helpline 0471-3243000/44000/45000**

**Online R. T. E Monitoring: www.nireekshana.org.in**